एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या –302
प्रश्न–पत्र II – (अनिवार्य) संस्कृत कवि

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

1. अश्वघोष , कालिदास ,माघ , भारवि , श्रीहर्ष , कल्हण , बिल्हण, भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी , सुबन्धु

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाईयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

प्रथम इकाई – अश्वधोष एवं कालिदास
द्वितीय इकाई – माघ भारवि , श्रीहर्ष
तृतीय इकाई – कल्हण , एवं बिल्हण
चतुर्थ इकाई – भवभूति ,शूद्रक एवं हर्षवर्धन
पंचम इकाई – दण्डी एवं सुबन्धु

प्रथम खण्ड – (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा सभी इकाइयो से समान भाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेगें ।इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) अश्वधोष एवं कालिदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ख) माघ भारवि श्रीहर्ष के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ग), कल्हण , एवं बिल्हण के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(घ) भवभूति, शूद्रक एवं हर्षवर्धन के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा
जायेगा । **7 अंक**
(ड.) दण्डी एवं सुबन्धु की रचनाओं से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर संस्कृत में पूछा जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15 –15 अंक निर्धारित हैं ।

उक्त खण्ड के अन्तर्गत प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**

(1) अश्वघोष , कालिदास ,माघ , भारवि , श्रीहर्ष , कल्हण , एवं बिल्हण की कृतियों के काव्य –वैशिष्ठ्य
से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
भवभूति भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी , एवं सुबन्धु की कृतियों के काव्य –वैशिष्ठ्य से सम्बन्धित दो प्रश्न
देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा

सन्दर्भ –ग्रन्थ –

(1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 विश्वनाथ शर्मा

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल द्विवेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 प्रीतिप्रभा गोयल

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय